शिक्षक पाठ योजना

सेमेस्टर - Vill

AMJ 3 :हिंदी भाषा और उसका विकास

व्याख्यान घंटे: 60

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिमाण निम्नवत होगा : -

1.हिंदी भाषा के विकास को विद्यार्थी समझ सकेंगे ।
2.हिंदी के विभिन्न साहित्यिक भाषाओं के उद्भव और विकास को छात्र समझ पाएंगे
3.हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूपों को समझने में आसानी होगी ।
4.साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ी बोली हिंदी की विकास यात्रा से परिचित होंगे ।

क्र . स	विषय और उद्देश्य	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई 1	**प्रस्तावित संरचना**	**20**		
	1.हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ,मध्यकालीन भारतीय भाषाएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ ।	20	व्याख्यान चर्चा	कार्यभार
इकाई 2	**प्रस्तावित संरचना**	**15Hrs**		
	1. हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी के विविध रूप, काव्य भाषा के रूप में अवधि और ब्रज का विकास,साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास,हिंदी के प्रचार प्रसार में प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान ।	**20**	व्याख्यान, चर्चा	कार्यभार
इकाई 3	1.हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप बोली,मानक भाषा, संपर्क भाषा,राजभाषा और राष्ट्रभाषा,संचार (संप्रेषण) माध्यम,रचनात्मक लेखन और हिंदी,देवनागरी का विकास और उसका मानविकीकरण ।	20	व्याख्यान,चर्चा	कार्यभार

अनुशंसित पुस्तकें :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका -डॉ. देवेन्द्र नाव शर्मा
2. भाषा विज्ञान -डॉ, भोलानावा तिवारी

के द्वारा:

सुश्री प्रतिमा परधिया